**B.A. in Applied Hindi/अनुप्रयुक्त हिन्दी में स्नातक उपाधि कार्यक्रम**
**(BAAHD)**

# सत्रीय कार्य
# (जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्र के लिए)

## BSKE-143 संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय**
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

# अनुप्रयुक्त हिंदी में स्नातक उपाधि
## सत्रीय कार्य (जनवरी, 2023)

पाठ्यक्रम कोड : BSKE–143/2023-24

प्रिय छात्र / छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

**निर्देश** :— सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ———————————

नाम : ——————————————

पता : ——————————————

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : ———————————

सत्रीय कार्य कोड : ——————————————

अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ———————————

दिनांक : ———————————

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

---

**नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।**

---

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2023 सत्र के लिए : 30 अप्रैल, 2024

जनवरी 2024 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2024

## सत्रीय कार्य : **BSKE-143** संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

सत्रीय कार्य – **BSKE-143**/TMA/2023-24 पूर्णांक – 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

### खण्ड–1 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखें। 20 × 3 - 60

प्रश्न–1

क) भारतीय दर्शन की विशेषताओं पर प्रकाश डालें ।

ख) धर्म के स्वरूप एवं प्रकारों को विस्तारपूर्वक लिखें।

ग) संस्कारों का सामाजिक एवं वैज्ञानिक विश्लेषण का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

प्रश्न–2 कार्यकारण सिद्धांत– सत्कार्यवाद, असत्यकार्यवाद, परिणामवाद, विवर्तवाद और आरंभवाद पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालें।

प्रश्न–3 कर्म की अवधारणा एवं प्रकारों का वर्णन करें।

प्रश्न–4 प्रकृति के तीन गुणों और व्यक्तित्व पर पड़ने वाले उसके प्रभावों का वर्णन करें।

### खण्ड–2 लघुउतरीय प्रश्न

निम्नलिखित में से किन्ही दो का उत्तर लिखिए। 10 × 2 – 20

प्रश्न 5 बहुसांसकृतिक समाज से आप क्या समझते हैं, विवेचना कीजिएं।

प्रश्न 6 पुरूषार्थ की अवधारणा एवं उसके प्रकारों पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 7 भारतीय दर्शन को कितने भागों में बांटा गया है, विवेचना कीजिए।

### खण्ड–3 अतिलघु उतरीय प्रश्न

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर उत्तर लिखें। 5× 4 – 20

क) स्थितप्रज्ञ

ख) त्रिविध कर्म

ग) षोडस संस्कार

घ) गीता का स्वधर्म

ङ़) द्वैतवाद तथा बहुत्ववाद

च) भारतीय संस्कृति के मूल तत्व